अध्याय - 2 भारत का भौतिक स्वरुप

स्मरणीय तथ्य

- भारत एक विशाल भूभाग है जिसका निर्माण विभिन्न भूगर्भीय कालों के दौरान हुआ है जिसने इसके उच्चावच को प्रभावित किया है अपक्षय, अपरदन एवं निक्षेपण आदि प्रक्रियाओं ने भी इसके उच्चावच को प्रभावित किया है।
- भारत का भौगोलिक वितरणः-
  1. **हिमालय पर्वत:-**
     - हिमालय पर्वत सबसे ऊँची और नवीनतम वलित पर्वत श्रेणी है जो भारत की उत्तरी सीमा पर 2,400 कि.मी. तक फैली हुई है। इनके उच्चावच की सतह अत्यधिक ऊबड़-खाबड़ है।
     - ये पर्वत श्रृंखलाएँ पश्चिम से पूर्व की ओर सिन्धु नदी से ब्रह्मपुत्र नदी तक फैली है। इनकी चौड़ाई कश्मीर में 400 कि०मी० से अरुणाचल प्रदेश में 150 कि.मी. तक है।
- अपने अक्षांशीय विस्तार के साथ हिमालय को तीन भागों में बाँटा जा सकता है:-
  - **हिमाद्री या महान हिमालयः-** सबसे उत्तरी भाग में स्थित श्रृंखला को महान या आंतरिक हिमालय अथवा हिमाद्री कहा जाता है। इन श्रेणियों के बीच में बहुत सी घाटियाँ है। यह सबसे अधिक सतत् श्रृंखला है जिसमें सबसे ऊँचे पर्वत शामिल हैं जिनकी औसत ऊँचाई 6,000 मी. है। इसमें सभी प्रमुख हिमालयी चोटियाँ आती हैं।
  - **हिमाचल / निम्न हिमालय :-** हिमाद्री के दक्षिण में स्थित श्रृंखला हिमालय पर्वत श्रृंखला में सबसे अधिक असम है और हिमाचल या निम्न हिमालय के नाम से जानी जाती है। यह श्रृंखला मुख्यतः अत्यधिक संपीडित कायांतरित चट्टानों से बनी है। पीर पंजाल श्रृंखला सबसे बड़ी एवं सर्वाधिक मह्त्वपूर्ण श्रृंखला का निर्माण करती है। कुछ अन्य मह्त्वपूर्ण श्रृंखलाएं धौलाधार और महाभारत श्रृंखलाएं हैं।
  - **शिवालिक / बाहरी हिमालय :-** हिमालय की सबसे बाहरी श्रृंखला को शिवालिक कहा जाता है। यह हिमालय की सबसे कम ऊँचाई की पर्वत श्रृंखला है। इसका निर्माण गहन वनों एवं कृषि योग्य भूमि से हुआ है। सीढ़ीनुमा खेती एवं भेड़ पालन इस क्षेत्र में बहुत आम है। यहाँ न तो अधिक गर्मी है और न ही अधिक ठंड जिससे यहाँ का मौसम सुहाना बना रहता है। इसलिए इस क्षेत्र में जनसंख्या घनत्व अधिक है। यहाँ भिन्न प्रकार की वनस्पति पाई जाती हैं।
- **हिमालय का महत्त्वः-**
  - भारत और चीन के बीच एक प्राकृतिक सीमा का निर्माण करता है और हमारे देश को शत्रुओं से रक्षा करता है।
  - भिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ उपलब्ध कराता है।
  - हिम से ढकी हुई चोटियाँ पूरे वर्ष पानी उपलब्ध कराने वाले स्रोत का काम करती है।
- **उत्तर का मैदानः-**
  - उत्तर का विशाल मैदान पश्चिम में पंजाब से लेकर पूर्व में ब्रह्मपुत्र की घाटी तक है।
  - उत्तर के मैदान का निर्माण तीन बड़ी नदियों सिन्धु, गंगा एवं ब्रह्मपुत्र तथा उनकी सहायक नदियों के कारण हुआ है।
  - इस मैदान का निर्माण जलोढ़ मिट्टी से हुआ है।
  - समृद्ध मृदा के आवरण भरपूर पानी की आपूर्ति एवं अनुकूल जलवायु ने उत्तरी मैदान को कृषि की दृष्टि से भारत का अत्यधिक उपजाऊ भाग बना दिया है।
  - इसी कारण यहाँ का जनसंख्या घनत्व भारत के सभी भौगोलिक विभाजनों की अपेक्षा इस क्षेत्र में सर्वाधिक है।
- उत्तर के मैदान को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा जा सकता है:-
  - पंजाब का मैदान / सिंधु नदी बेसिन उत्तरी मैदान के पश्चिमी भाग को पंजाब का मैदान कहा जाता है।
  - सिंधु एवं इसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित इस मैदान का बड़ा भाग पाकिस्तान में है। सिंधु एवं इसकी सहायक नदियों झेलम, चिनाब, रावी, व्यास एवं सतलुज हिमालय से निकलती है। यह मैदान अधिकतर दोआबों से मिलकर बना है।
- **गंगा का मैदान या बेसिनः-**
  - यह उत्तरी मैदान का सबसे बड़ा भाग है और गंगा तथा तिस्ता नदियों के बीच फैला हुआ है।
  - यह उत्तर भारत के हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, बिहार एवं झारखंड के कुछ भाग एवं पश्चिम बंगाल के पूर्वी भाग तक फैला हुआ है।
  - ब्रह्मपुत्र का मैदान इसके पश्चिम विशेषकर असम में स्थित है।
- उच्चावच विविध विशेषताओं पर आधारित विभाजनः
  - **भाबर क्षेत्रः-** इन मैदानों का निर्माण तंग पट्टी में कंकड़ों के जमा होने से होता है जो शिवालिक की ढलान के समानांतर पाई जाती है। इस पट्टी का निर्माण पहाड़ियों से नीचे उतरते समय विभिन्न नदियों द्वारा किया जाता है। सभी नदियाँ भाबर पट्टी में आकर विलुप्त हो जाती है।
  - **तराई क्षेत्र :-** यह क्षेत्र भाबर के बाद आता है और नए

जलोढ़ से बना होता है। इस क्षेत्र का निर्माण नदियों के पुनः प्रकट होने से होता है जिसके कारण नदियाँ नम एवं दलदली क्षेत्र का निर्माण करती हैं जिसे तराई कहा जाता है। यह क्षेत्र जंगलों एवं जंगली जानवरों से भरपूर होता है।

- **बांगर क्षेत्र :-** इन मैदानों का निर्माण पुरानी जलोढ़ मृदा से होता है। वे नदियों के बाढ़ के मैदानों के ऊपर स्थित हैं तथा वेदिका जैसी आकृति प्रदर्शित करते हैं। ये मैदान नदी के बेसिन से दूर पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में चूनेदार निक्षेप पाए जाते हैं जिन्हें स्थानीय भाषा में 'कंकड़' कहा जाता है और यह कम उपजाऊ होती है।
- **खादर क्षेत्र :-** यह क्षेत्र बांगर के निचले भागों में पाया जाता है। इसका निर्माण अपेक्षाकृत नए जलोढ़ से होता है जो नदियों द्वारा मैदानों में बहने के दौरान जमा किया जाता है। बाढ़ के मैदानों में नए तथा युवा निक्षेपों को खादर कहा जाता है। वे बहुत उर्वर होते हैं तथा गहन कृषि के लिए आदर्श माने जाते हैं।

➢ तटीय मैदानः-

- पूर्व में बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में अरब सागर के किनारों पर तटीय मैदान एक पट्टी के आकार में फैले हुए हैं।
- पश्चिमी तट जो कि पश्चिमी घाट एवं अरब सागर के बीच है, एक संकरा मैदान है। यह तीन भागों में बंटा हुआ है तट का उत्तरी भाग को कोंकण, मध्य विस्तार को कन्नड़ एवं दक्षिणी विस्तार को मालाबार तट कहा जाता है।
- बंगाल की खाड़ी के किनारे मैदान चौड़ा और समतल है। उत्तरी भाग में इसे उत्तरी सरकार कहा जाता है जबकि दक्षिणी भाग को कोरोमण्डल तट कहा जाता है।
- बड़ी नदियाँ जैसे महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी इस तट पर एक बड़ा डेल्टा बनाती है।
- चिल्का झील पूर्वी तट की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है।

➢ द्वीप समूह

- लक्षद्वीप और अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह भारत के दो द्वीप समूह हैं।
- लक्षद्वीप, अरब सागर में केरल के मालाबार तट के पास है।
- यह द्वीप समूह छोटे प्रवाल द्वीपों से बना है।
- पहले इनको लकादीव, मीनीकाय तथा एमीनदीव के नाम से जाना जाता था।
- 1973 में इनका नाम लक्षद्वीप रखा गया यह 32 वर्ग कि०मी० के छोटे से क्षेत्र में फैला हुआ है।
- लक्षद्वीप का प्रशासनिक मुख्यालय कावारती में है।
- इस द्वीप समूह पर पौधों एवं जीवों की बहुत सी प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. एक स्थलीय भाग जो तीन ओर से समुद्र से घिरा हो-
a. तट b. प्रायद्वीप
c. द्वीप d. खाड़ी

2. भारत के पूर्वी भाग में म्यांमार की सीमा का निर्धारण करने वाले पर्वतों का संयुक्त नाम-
a. हिमाचल b. पूर्वांचल
c. उत्तराखंड d. दूनघाटी

3. गोवा के दक्षिण में स्थित पश्चिम तटीय पट्टी-
a. कोरोमंडल b. कन्नड़
c. कोंकण d. उत्तरी सरकार

4. पूर्वी घाट का सर्वोच्च शिखर -
a. अनाईमुड़ी b. महेंद्रगिरी
c. कंचनजंगा d. खासी

5. हिमालय के सबसे उत्तरी श्रृंखला को किस नाम से जाना जाता है?
a. हिमाचल b. हिमाद्री
c. शिवालिक d. दूनघाटी

6. सिन्धु एवं सतलुज नदी के बीच के हिमालय के भाग का पारंपरिक नाम क्या था?
a. पूर्वांचल b. कुमाऊँ हिमालय
c. असम-हिमालय d. पंजाब हिमालय

7. सिन्धु एवं तिस्ता नदी के बीच जमा कंकड़ों की तंग पट्टी जो शिवालिक की ढलान के समानांतर पाई जाती हैं उसे क्या कहा जाता है?
a. खादर पट्टी b. भाभर पट्टी
c. तराई पट्टी d. बांगर पट्टी

8. किस क्षेत्र को खनिजों का भंडार कहा जाता है?
a. छोटानागपुर का पठार b. कार्बी एंगलौंग पठार
c. दक्कन का पठार d. मालवा का पठार

9. भारतीय उपमहाद्वीप का कौन सा सबसे पुराना भूखण्ड था ? जो गोंडवाना भूमि का हिस्सा था?
a. भारतीय मरुस्थल b. प्रायद्वीपीय पठार
c. हिमालय क्षेत्र d. तटीय मैदान

10. कुल्लू घाटी किस राज्य में है?
a. राजस्थान b. हिमाचल प्रदेश
c. उत्तराखंड d. जम्मू और कश्मीर

11. कंचनजंगा किस देश में स्थित है?
a. बंग्लादेश b. भूटान
c. भारत d. नेपाल

12. पिटली द्वीप जहाँ मनुष्य नहीं रहते और वह किस लिए प्रसिद्ध है?
a. वन्यजीवन विहार b. पक्षी विहार
c. बायो-रिजर्व d. इनमें से कोई नहीं।।